मां ईश्वर की श्रेष्ठ रचना, उनका स्थान कोई नहीं ले सकता : डॉ. संजीव गुप्ता

संवाददाता/ डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने मदर्स डे के अवसर पर मातृशक्ति को नमन करते हुए सभी माताओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मां परिवार की आधारशिला, निस्वार्थ प्रेम, त्याग और संस्कारों की प्रतिमूर्ति होती है।

कुलपति डॉ. गुप्ता ने कहा कि मां बच्चों की पहली गुरु, रक्षक और सबसे अच्छी मित्र होती है। उन्होंने मातृ दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दिवस प्रत्येक वर्ष मई माह के दूसरे रविवार को विश्वभर में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य माताओं के निस्वार्थ प्रेम और समाज निर्माण में उनके योगदान को सम्मान देना है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती जागरूकता और सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि माताएं अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य

मदर्स डे पर सीएसए कुलपति ने मातृशक्ति को किया नमन

के निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि माताओं से बेहतर अपने बच्चों की देखभाल कोई नहीं कर सकता। डॉ. गुप्ता ने कहा कि मां इस पृथ्वी पर ईश्वर की श्रेष्ठ रचना है। चाहे जन्म देने वाली मां हो या मातृभूमि, माता का स्थान कोई दूसरा नहीं ले सकता। उन्होंने यह भी कहा कि चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देश के विद्यार्थियों को योग्य नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

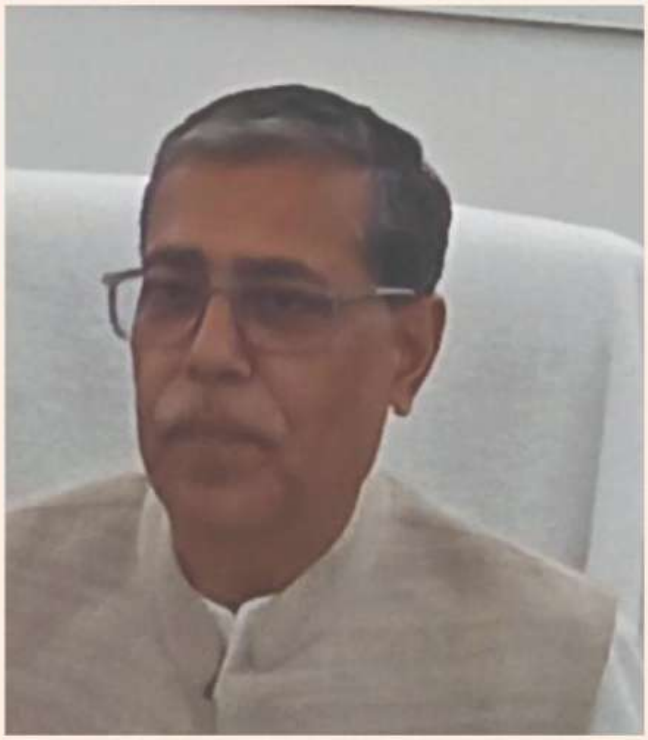

मां से बढ़कर कोई नहीं मदर्स डे पर सीएसए कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने मातृशक्ति को किया नमन

दि ग्राम टुडे, संजय मौर्य यूपी हेड। कानपुर। मदर्स डे के अवसर पर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुरघ्घ के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने मातृशक्ति को नमन करते हुए सभी माताओं को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि मां परिवार की आधारशिला, निस्वार्थ प्रेम, त्याग और संस्कारों की सबसे बड़ी प्रतिमूर्ति होती है।

कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि मां बच्चों की पहली गुरु, रक्षक और सबसे अच्छी मित्र होती है। उन्होंने कहा कि माताओं से बेहतर अपने बच्चों का ख्याल कोई दूसरा नहीं रख सकता। मां इस पृथ्वी पर ईश्वर की सबसे श्रेष्ठ रचना है, जिसका स्थान कोई नहीं ले सकता कृ चाहे

वह जन्म देने वाली मां हो या मातृभूमि। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती जागरूकता और सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। मातृ दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि माताओं के निस्वार्थ प्रेम, त्याग और समाज निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को सम्मान देने का अवसर है। उन्होंने बताया कि विश्व स्तर पर यह दिवस प्रत्येक वर्ष मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है।

डॉ. गुप्ता ने कहा कि सीएसए विश्वविद्यालयघ्घ देश के विद्यार्थियों को योग्य, संस्कारित एवं जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान और कृषि विकास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सतत योगदान दे रहा है।